अनुक्रमणिका

1	राजस्थान के ऐतिहासिक चरित्र काव्यों का ब्यौरा	रतुदान रोहड़िया	1-6
2	मरुमण्डल का परमार इतिहास व उसकी समस्याएं	गोविन्दलाल श्रीमाली	7-12
3	'वीठू सूजा कृत छंद राउ जैतसी रौ' के ऐतिहासिक सन्दर्भों पर विचार	डा. सोहनकृष्ण पुरोहित	13-21
4	छंद राउ-जइतसी रो-वीठू सूजा कृत	दीनदयाल ओझा	22-25
5	कान्हड़दे प्रबन्ध में सैनिक पराजय के समाधान का मूल्यांकन	डा. महावीरसिंह गहलोत	26-29
6	किसना आढा कृत महाराजा गजसिंघजी रो छंद	डा. शिवदत्तदान बारहठ	30-36
7	गजगुणरूपग में वर्णित ऐतिहासिक घटनाक्रम	डा. वसुमती शर्मा	37-42
8	'जसवन्त उद्योत' एक आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक विश्लेषण	डा. भंवर भादानी	43-50
9	कवि कुम्भकर्ण कृत रतनरासो और उसका ऐतिहासिक महत्व	डा. मनोहरसिंह राणावत	51-57
10	कवि काशी छंगाणी कृत छत्रपतारासो	डा. विक्रमसिंह राठौड़	58-62
11	राठौड़ रतनसिंह री वेलि इतिहास का स्रोत	रामदत्त थानवी	63-65
12	राजरूपक की ऐतिहासिकता	डा. सद्दीक मोहम्मद	66-73

13	सूरजप्रकाश और राजरूपक का ऐतिहासिक तुलनात्मक विवेचन	डा. राजकृष्ण दुगड़	74-78
14	डिंगल का ऐतिहासिक काव्य 'सूरजप्रकाश'	डा. प्रतापसिंह राठौड़	79-85
15	मानजसोमण्डण	डा. के. एस. सक्सेना	86-88
16	1857 के विप्लव में ठा. खुशालसिंह चांपावत की भूमिका	डा. रामसिंह सोलंकी	89-101
17	बलवद्विलास : एक अध्ययन	डा. उषाकँवर राठौड़	102-111
18	उदावत रूपसिंघ री झमाल; एक अनुशीलन	भवानीसिंह पातावत	112-115
19	सोढा जाति का संक्षिप्त इतिहास	रतनलाल कामड़	116-120
20	सुजान-चरित्र	डा. ओंकारनारायणसिंह	121-130
21	लछिमनगढ़ रासो में ऐतिहासिक तथ्य	डा. जगदीशप्रसाद गुप्त	131-135
22	प्रतापरासो : इतिहास एवं संस्कृति	डा. जीवनसिंह	136-147
23	विनयसिंह विजय संग्राम वर्णन	मोतीलाल बैरवा	148-155
24	शंकरराव कृत भीमविलास की ऐतिहासिकता	डा. महावीरप्रसाद शर्मा	156-167
25	मेवाती काव्य में राजनैतिक इतिहास	अनिल जोशी	168-174
26	हमीरायण काव्य का राजनैतिक दृष्टि से विवेचन	डा. देवकुमार	175-182
27	घेला खिड़िया कृत वियाखरी दूदा हाडा री	डा. अम्बादान रोहड़िया	183-189

28	डिंगल का ऐतिहासिक काव्य जवानरासो	डा. राघवेन्द्रसिंह मनोहर	190-195
29	जयपुर के कच्छवाह शासकों का इतिहास	डा. गिरिजाशंकर शर्मा	196-199
30	केसरीसिंह समर का ऐतिहासिक विवेचन	मनोहरसिंह राठौड़	200-204
31	क्यामखांरासो की ऐतिहासिकता	डा. रतनलाल मिश्र	205-213
32	क्यामखां रासो: इतिहास, शासन एवं सांस्कृतिक चिन्तन का दस्तावेज	डा. बी. एल. माली	214-226
33	हल्दी घाटी युद्ध के सन्दर्भ में मानचरित्र रासो	श्रीमती मधुकांता शर्मा	227-232
34	कुंवरजी श्री संग्रामसिंहजी शक्तावत री दवावैत	मोहब्बतसिंह राठौड़	233-236
35	सगतरासो का ऐतिहासिक महत्व	डा. हुकमसिंह भाटी	237-244
36	राजविलास का ऐतिहासिक महत्व	डा. गिरीशनाथ माथुर	245-249
37	राजप्रकाश का ऐतिहासिक महत्व	डा. पुरुषोत्तमलाल मेनारिया	250-252
38	जगविलास का ऐतिहासिक महत्व	डा. राजेन्द्रनाथ पुरोहित	253-255
39	महावजसप्रकाश का आलोचनात्मक अध्ययन	डा. जे. के. ओझा	256-264
40	सज्जनयशवर्णन	डा. द्वारकालाल माथुर	265-267
41	किसनावतवंशप्रकाश की ऐतिहासिकता	श्रीमती कमला अग्रवाल	268-273

42	उदयप्रकाश की ऐतिहासिकता	प्रो. मथुराप्रसाद अग्रवाल	274-282
43	हरिपिंगल प्रबन्ध में इतिहास	डा. भगवतीलाल शर्मा	283-288
44	कवि नरसिंह मेव कृत हसनखां की कथा	डा. रामकिशन	289-292
45	गोरा बादल पद्मिनी चउपई : ऐतिहासिक अन्वेषण	डा. सोनाराम विश्नोई	293-303